Bareilly, Sunday,
6 November 2022
BAREILLY EDITION
Price ₹ 3.50/-
Pages 12

दैनिक जागरण inext

'नशे को न' अभियान में एक मंच पर प्यार, धोखा फिर हत्या

थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष रंग महोत्सव के पांचवें दिन जासूसी नाटक 'स्लूथ' का मंचन

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (5 Nov): श्री राममूर्ति स्मारक रिद्धिमा में दूसरे थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष रंग महोत्सव 2022 के पांचवें दिन शनिवार को 'एकलव्य थिएटर देहरादून' की ओर से नाटक 'स्लूथ' का मंचन किया गया. लेखक एन्थनी शैफर लिखित 'स्लूथ' के हिंदी रूपांतरित नाटक में मुख्य पात्र कुंवर जयदीप सिंह खानदानी रईस होने के साथ जासूसी उपन्यासकार है.

● सांसद संतोष गंगवार को किया सम्मानित.

कलाकारों ने किया मंचन

दूसरा मुख्य किरदार मनोज, कुंवर साहब की पत्नी शीला से प्रेम करता है और उससे शादी करना चाहता है. एक दिन कुंवर साहब मनोज को इस शादी की बात को पुख्ता करने के लिये अपने घर बुलाते हैं. वो मनोज को विश्वास दिलाते हैं कि उन्हें शीला और मनोज के शादी करने में कोई एतराज नहीं है, लेकिन मनोज को अगर शीला से शादी करनी है तो जाहिर है उसे बहुत पैसों की जरूरत होगी क्योंकि शीला फितरत से बहुत खर्चीली है. तो वह मनोज को अपने घर में रखे जेवरात चुराने के लिये राजी कर लेते है. वह मनोज को इसको एक खेल की तरह खेलने को कहते हैं क्योंकि उन्हें यह खेल रोमांचित करते हैं. कुंवर साहब इस चोरी को सच दिखाने का पूरा खेल रचते है. अंतत: मनोज चोरी को पूरा कर जा रहा होता है कि तभी कुंवर साहब उसे इस खेल का वास्तविक मकसद समझाते है, कि मैंने यह खेल रचा तुम्हारी मौत के लिए, अब देखो तुम मेरे घर में आधी रात को जेवरात के साथ पाये गये हो और मैं यानी घर का मालिक अपने बचाव में तुम्हे गोली मार देता है. मनोज कुछ समझ नहीं पाता और कुंवर साहब से इन सबका जवाब मांगता है कि क्यों कर रहे हैं आप ऐसा. अंतत: एक ही जवाब मिलता है कि मुझसे मेरी मिलकियत कोई नहीं छीन सकता और वह मनोज पर गोली दाग देते हैं. दो दिन बाद कुंवर जयदीप सिंह के घर इंस्पेक्टर मलिक पहुंचता है और मनोज के लापता होने को तहकीकात करने की बात बताता है. जयदीप उसे झूठी कहानी बताता है, लेकिन इंस्पेक्टर उस पर विश्वास न कर तहकीकात करता है. हत्या के सुबूत उसे मिलते हैं. बाद में पता चलता है कि इंस्पेक्टर मलिक ही मनोज है. मनोज बताता है कि उसने जयदीप की प्रेमिका शिखा का खून कर दिया है. इसी बीच पुलिस आ जाती है. सस्पेंस के खुलासे के साथ नाटक खत्म होता है. इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार, एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, गुरु मेहरोत्रा, सुरेश सुंदरानी, रजनी अग्रवाल, डॉ. एसबी गुप्ता, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ.अनुज कुमार, डॉ. रीटा शर्मा, निशांत अग्रवाल सहित शहर के गण्यमान्य लोग मौजूद रहे.